यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

# श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

## जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2017

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

**प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 2**

**पूर्णांक :** 100

नाम.....पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम.....जन्मतिथि.....मोबाइल.....रोल नं.....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हो । ( )
2. 97 अंक एवं सामायिक करने वाले 3 अंक प्राप्त कर सकते है। ( )

**प्रश्न 1. हिन्दी में अनुवाद कीजिए** **6 ×2 = 12**

1. सामाइयं सम्मं काएणं न फासियं न पालियं न तीरियं

.....

.....

.....

2. णमोत्थुणं रामस्स गणिवरस्स

.....

.....

.....

3. अभयदयाणं, चक्खुदयाणं, मग्गदयाणं, सरणदयाणं

.....

.....

.....

4. चंदेसु निम्नलयरा आइच्चेसु अहियं पयासरयरा

.....

.....

.....

5. ऊससिएणं नीससिएणं खासिएणं छीएणं जंभाइएणं

.....

.....

.....

6. अभिहया वतीया लेसिया संघाइया संघटिट्या

.....

.....

.....

**प्रश्न 2. दो उत्तर एक प्रश्नावली (दो प्रश्न एक साथ पूछे जाते है परन्तु दोनों का उत्तर एक ही है) 10**

1. हिंसा में धर्म बनाते वाला कौन है/ हरा-भरा वन कटाने वाला कौन है ?

.....

2. बाजार में बिकी हुई हो/ पैरों में बेड़ी हो ?

.....

3. तीन भुवन में चावां प्रभुजी/ विश्वसेन राजाजी के नन्दन ।

.....

4. महापरिग्रह/ पंचेन्द्रिय वध ।

.....

5. प्रकृति की भद्रता/ सानुकोशता।

.....

6. क्लेश हो वेसा बोलना नहीं/ पाप हो वैसे काम करना नहीं ।

.....

7. हिंसक प्रकृत्ति का पैदा होना/ इससे धर्म का नाश होता है।

.....

8. दयाभाव बर्बाद हो जाता है/ मन में क्रूरता आती है।

.....

9. जीवन बर्बाद हो जाता है/ मरकर भी दुर्गति में जाता है।

.....

10. जैनत्व की पहचान/स्वास्थ्य के लिए भी हितकारी है।

.....

**प्रश्न 3. गाथा पूर्ण करो** **20**

1. कीड़ी

.....

.....

.....

2. सभी चराचर

.....

.....

.....

3. मुख

.....

.....

.....

4. यह समय

.....

.....

.....

5. दाम

.....

.....

.....

6. मोह

.....

.....

.....

.....

7. प्राण

.....

.....

.....

8. सुविद्धि

.....

.....

.....

9. मणन्न

.....

.....

.....

.....

10. जाव

.....

.....

.....

**प्रश्न 4. संक्षेप में उत्तर** **4×2½ = 10**

1 क्या तीर्थंकर किसी पर प्रसन्न होते है ?

.....

.....

.....

2. शरीर पर्याप्ति किसे कहते है ?

.....

.....

.....

3. पहले देवलोक के इन्द्र ने कामदेव के विषय में क्या कहा ?

.....

.....

.....

4. अलीक वचन किसे कहते है ?

.....

.....

.....

**प्रश्न 5 'क्या हटाये क्या लगाये' (गलत शब्द को हटाकर सही शब्द लगाना है) गलत शब्द के नीचे रेखा खिचकर सही शब्द कोष्ठक में लिखिए–** **20**

1. मृगावती ने भी वसुमति को पुत्री के रूप में स्वीकार कर लिया । ( )
2. दुर्लभ है संयम में एक यथारथ ज्ञान । ( )
3. एक बना बूढ़ा–योगी एक बना साधारण साधु । ( )
4. पोषधशाला के बाहर एक सम्यग्मिथ्यादृष्टि देव आया । ( )
5. तप का श्रृंगार निर्जरा, निर्जरा का श्रृंगार केवलज्ञान है । ( )
6. ऋषभानन् स्वामी, अनन्त तीर्थ स्वामी, देवयश स्वामी, विशालधर स्वामी । ( )
7. तीसरे प्रहर में जब सभी साधु भिक्षा लेकर लौट गये है । ( )

8. मोहनीय कर्म से तिरोहित हो जाती है । ( )

9. जो जीर्ण-शीर्ण होती है उसे काया कहते है । ( )

10. एक शरीर में एक जीव हो उसे साधारण कहते है । ( )

11. जो जीव स्वभाव से मद्र, दयालू होते है वे मरकर देव गति में जाते है। ( )

12. इन्द्रियादि की निवृत्ति करने में कारणभूत शक्ति का प्राण कहते है । ( )

13. कार्योत्सर्ग से पाप नष्ट होकर आत्मा शुद्ध बनती है । ( )

14. आहारादि के पुदगलो का ग्रहण करने तथा शरीरादि रूप में परिणमाणे की शक्ति को आहार पर्याप्त कहते है । ( )

15. वन्दना से भी पापों का नाश होता है? ( )

16. चन्दना से जीवन में संयम-भाव आता है? ( )

17. सद्गुरू का जाप हमारे हृदय को पवित्र बनाता है । ( )

18. व्रत भंग करने का संकल्प व्यक्तिव है । ( )

19. सिद्धि द्वारा बनाये हुए तत्वों पर श्रद्धा रखना सम्यक् दर्शन है । ( )

20. दल बल देवी भाई पिता परिवार। ( )

**प्रश्न 6. संख्या में उत्तर दीजिए –** **15**

1. ध्यान कितने –

2. कारण कितने –

3. आगार कि संख्या –

4. समिति कितनी –

5. लोक कितना बड़ा है –

6. ऋषभदेव के पुत्र कितने –

7. भगवान के अभिग्रह कितने –

8. वचन योग कितने –

9. गोकुल में पशु कितने –

10. गुण स्थान कितने –

11. विराधना कितनी होती है –

12. व्रत दूषित होने के कारण कितने –

13. कितने दोषों का टालकर कार्योत्सर्ग करना चाहिए–

14. जैन कितने प्रकार के होते है –

15. कामदेव कितने वर्षो तक ग्रहस्थ व्यवहार चलाते हुए श्रावकत्व का पालन किया –

**प्रश्न 7. संक्षेप में उत्तर दीजिए** **10**

1. एकेन्द्रिय में काय कितनी नाम लिखिए ?

.....

2. त्रसकाय में गति कितनी नाम लिखिए ?

.....

3. देवगति में इन्द्रिया कितनी लिखिए ?

.....

4. चक्षुरिन्द्रिय में जाति कौनसी बताइये ?

.....

5. नरक गति में कितनी पयाप्ति होती है ?

.....

6. अहिंसा से परलोक में क्या होता है ?

.....

7. श्रोत्रेन्द्रिय में जीव के भेद कितने होते है ?

.....

8. स्पर्शनेन्द्रिय में कितनी जाती होती है ?

.....

9. इसलोक में तप से क्या होता है?

.....

10. तीसरे व पांचवे योग का नाम लिखो ?

.....